"We Promote N.H.M. run by Govt.of India"

ग्रामीण स्वास्थ्य शिक्षण संस्थान लखनऊ (उ.प्र.)

Affiliated : by-BSS (National Health Agency of India Code : UP/8134A

Established in 1952

By Planning Commission, Govt. of India , New Delhi

& Affiliated by I.R.M.C. Delhi (Code-IRMCCMS9941) Web. : www.cmseddelhi.in

Authorized CC Center of Sunrise University Alwar recognized by UGC act, 1956 u/s 2(F)

ग्रामीण स्वास्थ्य स्किल मिशन के अंतर्गत

ग्रामीण प्राथमिक उपचारक/टेली चिकित्सक सहायक हेतु

(केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत अनुभवी लोग)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ

www.eclinicsubcenter.in

9565600144, 7754810005

- प्राथमिक उपचार कौशल मूल्यांकन
- आपातकालीन प्रतिक्रिया
- CPR एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट
- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के लिए कौशल प्रमाणन

1. प्रमुख कार्य : संचारी रोग :- मलेरिया, टाइफाइड, डायरिया, डिसेंट्री, हैजा, निमोनिया, टी.बी. सर्दी जुखाम, डेंगू , मौसमी बुखार, चिकनगुनिया, मम्प्स, मधुमेह, रक्तचाप, थाइराइड, मोटापा, कुपोषण, आदि बीमारियाँ एवं प्राथमिक स्तर पर पहचान, रोकथाम, बचाव, एवं टेली चिकित्सक द्वारा दिए जा रहे परामर्श के अनुसार इलाज करने का कार्य किया जाता हैं |
2. आपातकाल स्थिति में OTC मेडिसिन के सहयोग से प्राथमिक उपचार देकर रोगी की प्राण रक्षा , शारीरिक तकलीफ एवं क्षतियों को कम करना तथा आवश्यकता पड़ने पर बेहतर इलाज हेतु चिकित्सा केंद्र पर भेजने का प्रबंध करना |

Run by - भारतीय ग्रामीण रोग नियंत्रक संस्थान लखनऊ

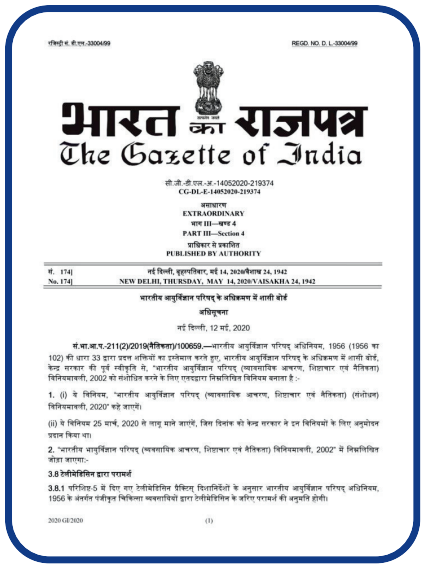

ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य कर्मी (H.W. Nurse, ANM, Mid Level Health Practitioner, Allied Health Professional-Physician Assistant) द्वारा संचालित हेल्थ एण्ड वेलनेस सब सेन्टर (Patient and RMP through Health Worker at a Sub Center or Peripheral Center एवं Consultation Between Patient and RMP Through a Care Giver) के संचालन हेतु आवश्यक जानकारियाँ

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

(भारत सरकार द्वारा जारी टेलीमेडिसिन प्रैक्टिस गाइडलाइन 2020)

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग
National Medical Commission

(टेलीमेडिसिन प्रैक्टिस गाइडलाइन 2022) by N.M.C. Public Notice)

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

(भारत सरकार द्वारा जारी गजट 2023)

ग्रामीण स्वास्थ्य स्किल मिशन एवं भारत सरकार द्वारा टेलीमेडिसिन को दी गयी कानूनी मान्यता के बारे में

.

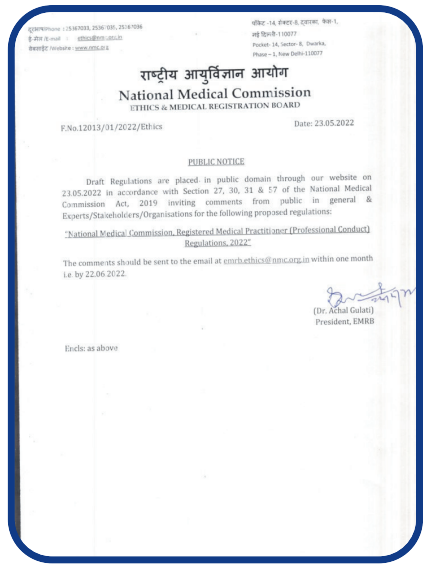

भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रिय स्वास्थ्य मिशन (NHM) योजना को बढ़ावा देने एवं देश के ग्रामीण क्षेत्र में प्राथमिक उपचार एवं टेली चिकित्सा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में आवश्यकता पड़ने पर पंजीकृत चिकित्सक द्वारा किये जाने वाले इलाज हेतु टेली चिकित्सक सहायक के रूप में कार्य करने हेतु ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत अनुभवी लोग “ग्रामीण स्वास्थ्य स्किल मिशन ” के अंतर्गत First Aid Provider Skill Eligibility Test का आयोजन कर उत्तीर्ण स्वास्थ्य कर्मी प्राथमिक उपचारक को प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता हैं

भारत सरकार द्वारा देश के ग्रामीण / दुर्गम क्षेत्रों में निवास कर रहे आम लोगो को इलाज कराने हेतु पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी (R.M.P) एवं उपलब्ध संसाधन आबादी / जरूरतमंद के हिसाब से कम होने के कारण होने वाली कठिनाईयाँ, संचारी रोग एवं गैर संचारी रोगों का प्राथमिक स्तर पर नियंत्रण एवं शहरी चिकित्सालयों में बढ़ती भीड़ से उत्पन्न समस्याओं को कम करने एवं पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी (R.M.P) को सम्पूर्ण भारत में टेलीमेडिसिन (दूर चिकित्सा पद्धत्ति) के माध्यम से इलाज करने हेतु Indian Medical Council Act 1956 अधिनियम का इस्तेमाल करते हुए 25 मार्च 2020 को भारत का राजपत्र (The Gazette of India) CG-DL-E-14052020-219374 में जारी किया गया, एवं राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (National Medical Commission) N.M.C द्वारा 23 मई 2022 को पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी (R.M.P) को टेलीमेडिसिन प्रैक्टिशनर गाइडलाइन की पब्लिक नोटिस जारी की गयी तथा भारत सरकार द्वारा "भारत का राजपत्र (The Gazette of India) CG-DL-E-09082023-247951 "राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग अधिसूचना नयी दिल्ली, 2 अगस्त 2023 राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर (पेशेवर आचरण) विनियम, 2023 जारी कर (i) Patient and RMP (ii) Care Giver and RMP (iii) Patient and RMP through Health Worker at a sub center or peripheral Center (iv) RMP and another RMP/Specialist इस रुपरेखा (Framework) के अनुसार ऑडियों काल, विडियो काल एवं टैक्स्ट मैसेज के माध्यम से पूरे देश में टेलीमेडिसिन के माध्यम से इलाज करने हेतु पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी (RMP) को दिशा-निर्देश जारी किया गया।

Registration हेतु आवश्यक दस्तावेज

- **पंजीकृत चिकित्सक /चिकित्सालय, क्लिनिक , नर्सिंग होम आदि द्वारा निर्गत किया गया कम से कम दो वर्ष (पैरामेडिकल /चिकित्सक सहायक) कार्य अनुभव प्रमाणपत्र**
- **रक्तचाप एवं मधुमेह की जाँच, ऑक्सीजन स्तर मापना, चोट/घाव की ड्रेसिंग एवं पट्टी करना, CPR देना, रक्तस्राव को नियंत्रित करना तथा टूटी हुई हड्डी की स्प्लिंटिंग करना, टेली चिकित्सक परामर्श आदि कार्य करते हुए की फोटो/विडियो**
- **हाईस्कूल, इंटरमीडिएट अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र की छायाप्रति**
- **आधार कार्ड (स्वप्रमाणित) की छायाप्रति**
- **जनप्रतिनिधि (ग्राम प्रधान / सभासद / क्षेत्र पंचायत सदस्य / जिला पंचायत सदस्य) द्वारा कार्य अनुभव एवं आवश्यकता प्रमाणपत्र (स्वप्रमाणित) छायाप्रति**
- **दो पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो**
- **नोटरी शपथ पत्र (कार्य एवं अनुभव सम्बन्धी)**
- **प्रशिक्षण, परीक्षा एवं रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र हेतु जमा शुल्क की रसीद**

ग्रामीण प्राथमिक उपचार केंद्र पर अनुभवी प्राथमिक उपचारक के कार्य

1. रोगियों के रक्तचाप नाड़ी, शरीर का तापमान , श्वसन दर आदि सामान्य स्वास्थ्य संकेतों का परीक्षण करने में सहयोग |
2. रोगियों को चिकित्सकीय परामर्शनुसार दवा सेवन , जांच एवं फॉलोअप सम्बन्धी आवश्यक जानकारी देना |
3. आवश्यकता होने पर रोगियों को उच्च चिकित्सा संस्थान के लिए रेफर करने की प्रक्रिया में सहयोग |
4. जीवन रक्षक संकेत (Vital Signs)
5. रोगी का प्राथमिक मूल्यांकन
6. संक्रमण नियंत्रण एवं हाथों की स्वच्छता
7. CPR एवं Basic Life Support (BLS)
8. रक्तस्राव नियंत्रण
9. घाव एवं ड्रेसिंग
10. फ्रैक्चर एवं स्प्लिंटिंग
11. जलना एवं झुलसना
12. साँप, बिच्छू एवं कीट काटना
13. बेहोशी, शॉक एवं दौरे
14. हृदयाघात एवं स्ट्रोक की पहचान
15. मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं अस्थमा की आपात स्थिति
16. सड़क दुर्घटना एवं ट्रॉमा प्रबंधन
17. बच्चों एवं बुजुर्गों की प्राथमिक सहायता
18. मानसिक स्वास्थ्य की प्राथमिक सहायता
19. आपदा प्रबंधन
20. OTC मेडिसिन के सहयोग से आवश्यकता पड़ने पर जरुरुत मंद को प्राथमिक उपचार देना |
21. जीवन शैली अथवा आहार परामर्श
22. टेली चिकित्सक द्वारा दिए गये परामर्श के अनुसार दवा उपलब्ध कराना
23. बीमारी की प्राथमिक स्तर पर पहचान कर उचित खानपान एवं जीवनशैली के बारे में परामर्श देना |
24. दवा की मात्रा व समय समझाना
25. घरेलू भ्रमण (Home Visit)

प्रमुख कार्य :

1. संचारी /गैर संचारी रोग :- मलेरिया, टाइफाइड, डायरिया, डिसेंट्री, हैजा, निमोनिया, टी.बी. सर्दी जुखाम, डेंगू , मौसमी बुखार, चिकुनगुनिया, मम्प्स, मधुमेह, रक्तचाप, थाइराइड, मोटापा, कुपोषण, आदि बीमारियाँ एवं प्राथमिक स्तर पर पहचान, रोकथाम, बचाव, एवं टेली चिकित्सक द्वारा दिए जा रहे परामर्श के अनुसार इलाज करने का कार्य किया जाता हैं |
2. आपातकाल स्थिति में OTC मेडिसिन के सहयोग से प्राथमिक उपचार देकर रोगी की प्राण रक्षा , शारीरिक तकलीफ एवं क्षतियों को कम करना तथा आवश्यकता पड़ने पर बेहतर इलाज हेतु चिकित्सा केंद्र पर भेजने का प्रबंध करना |

ग्रामीण प्राथमिक उपचार केंद्र पर आवश्यक उपकरण/सामग्री

A. प्राथमिक उपचार एवं स्वच्छता सामग्री

1. स्टेराइल गॉज पैड
2. कॉटन रोल
3. एडहेसिव बैंडेज
4. रोलर बैंडेज
5. क्रेप बैंडेज
6. त्रिकोणीय पट्टी
7. माइक्रोपोर टेप
8. मेडिकल कैंची
9. चिमटी (Tweezers)
10. सेफ्टी पिन
11. डिस्पोजेबल दस्ताने
12. फेस मास्क
13. हैंड सैनिटाइज़र
14. साबुन
15. बर्न ड्रेसिंग
16. डिजिटल थर्मामीटर
17. BP Monitor
18. स्टेथोस्कोप
19. Pulse Oximeter
20. Glucometer
21. Glucose Test Strips
22. Lancets
23. डिजिटल वजन मशीन
24. Measuring Tape
25. टॉर्च
26. घड़ी/सेकंड टाइमर
27. नोटबुक एवं पेन
28. रेफरल फॉर्म
29. First Aid Box
30. रोगी पंजीकरण रजिस्टर
31. इंटरनेट
32. स्मार्ट मोबाइल फोन

प्राथमिक उपचार हेतु उपयोग की जाने वाली OTC दवाएँ

1. Paracetamol
2. ORS
3. Zinc Sulfate
4. Cetirizine
5. Loratadine
6. Calamine Lotion
7. Povidone-Iodine Solution
8. Chlorhexidine Solution
9. Clotrimazole Cream
10. Antacid Suspension
11. Simethicone
12. Psyllium Husk
13. Glycerin Suppository
14. Vitamin C
15. Multivitamin
16. Glucose Powder
17. Normal Saline
18. Saline Nasal Drops
19. Artificial Tears
20. Oral Rehydration Measuring Cup

ग्रामीण अनुभवी स्वास्थ्य कार्यकर्ता/टेली चिकित्सक सहायक द्वारा संचालित ग्रामीण प्राथमिक उपचार केंद्र के प्रमुख लाभ:

1. **समय पर प्राथमिक उपचार –** दुर्घटना, चोट, बुखार, दस्त, जलने, साँप या कीट के काटने जैसी सामान्य आपात स्थितियों में तुरंत प्राथमिक उपचार उपलब्ध हो सकता है।
2. **ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच –** जहाँ डॉक्टर या अस्पताल दूर हों, वहाँ लोगों को निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य सहायता मिल सकती है।
3. **टेलीमेडिसिन का लाभ –** आवश्यकता होने पर मरीज का पंजीकृत चिकित्सक से विडियो कॉल या फोन के माध्यम से परामर्श कराया जा सकता है।
4. **समय और खर्च की बचत –** छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए शहर या बड़े अस्पताल जाने की आवश्यकता कम होती है।
5. **स्वास्थ्य जागरूकता –** स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य आदि पर लोगों को नियमित जानकारी दी जा सकती है।
6. **रोगों की प्रारंभिक पहचान –** रक्तचाप, रक्त शर्करा, तापमान, ऑक्सीजन स्तर जैसी सामान्य जाँचों के माध्यम से बीमारी के शुरुआती संकेत पहचाने जा सकते हैं।
7. **समय पर रेफरल –** गंभीर रोगी की पहचान कर उसे शीघ्र उपयुक्त अस्पताल या विशेषज्ञ के पास भेजा जा सकता है।
8. **आपदा एवं आपातकाल में सहयोग –** दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा या अन्य आपात स्थितियों में प्राथमिक सहायता और एम्बुलेंस बुलाने में मदद मिल सकती है।
9. **समुदाय का विश्वास –** स्थानीय और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता होने से लोगों को आसानी से स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध होती हैं।
10. **सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सहयोग –** स्वास्थ्य जागरूकता, स्क्रीनिंग शिविर और अन्य जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में सहयोग दिया जा सकता है।

पता 101/C (ग्रामीण स्वास्थ्य भवन) संजय गाँधीपुरम, निकट लेखराज मेट्रो स्टेशन (अयोध्या रोड) लखनऊ (उ.प्र)-226016 फोन : 0522-4232538 ई-मेल: irtchealthservice@gmail.com,